



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3 उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 472] नई विल्सनी, शनिवार, नवम्बर 16, 1974/कार्तिक 25, 1896

No. 472] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 16, 1974/KARTIKA 25, 1896

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे इक यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed  
as a separate compilation

## MINISTRY OF LABOUR

## ORDER

New Delhi, the 16th November 1974

S.O. 659(E).—Whereas in the opinion of the Central Government it is necessary and expedient so to do for maintaining supplies and services essential to the life of the community;

And whereas any strike or lockout in the services in the State of Kerala, connected with the supply of electrical energy to the public or with the generation, storage or transmission of electrical energy for the purpose of such supply (including the works connected with the Idikki Hydro-electric Project in the State of Kerala) would prejudicially affect the maintenance of supplies and services essential to the life of the community, it is necessary and expedient to prevent strike or lockout in the said services;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by rule 118 of the Defence of India Rules, 1971, the Central Government hereby prohibits, with immediate effect, any strike or lockout, in connection with any industrial dispute in the said services for a period of six months.

[No. F. S-42025/9/74-LR.I]

N. P. DUBE, Addl. Secy.

## भ्रम मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली 16 नवम्बर, 1974

**का०पा० 659(अ).**—यतः केन्द्रीय सरकार की गये में समुदाय के जीवन के लिए आवश्यक प्रदाय और सेवायें बनाए रखने के लिए ऐसा करना आवश्यक और समीचीन है;

श्रीर यतः केन्द्र राज्य में जनता के लिए विद्युत ऊर्जा प्रदाय में अथवा ऐसे प्रदाय के प्रयोजन के लिए (जिसके अन्तर्गत वे कार्य आते हैं जो केन्द्र राज्य में इडिक्षी जल-विद्युत परियोजना में सम्बन्धित हैं) विद्युत ऊर्जा के उत्पादन, संचयन या प्रेरण में सम्बद्ध किन्हीं सेवाओं में हड्डताल या तालाबन्दी समुदाय के जीवन के लिए आवश्यक प्रदाय और सेवायें रखने पर प्रतिकृत प्रभाव दाखिली. अतः उक्त सेवाओं में हड्डताल या तालाबन्दी रोकना आवश्यक और समीचीन है;

यतः, अब, भारत रक्षा नियम, 1971 के तियम 118 द्वारा प्रदत्त गतियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त सेवाओं में किसी श्रीदेशिगिक विवाद में सम्बन्धित किसी हड्डताल या तालाबन्दी को छ घाम की अवधि के लिए तुरन्त प्रतिकृत करती है।

[मं० फा० ए०-42025/9/74-एन०आर-]

नि० प्र० हुबे, अपर सचिव।